



॥ ओं अभंडानंद की जय ॥
 ॥ ओं परमपद् निवासी ज्ञानदाता सद्गुरुश्री वल्लभराम महाराज की जय ॥
 ॥ ओं प्रणावाधिवक्ता मोक्षमार्गचार्य सद्गुरुश्री रमेश्वराल महाराज की जय ॥
 ॥ ओं मोक्षमार्ग धर्म की जय ॥



“ सद्गुरुश्री वल्लभराम जन्म जयंति शतामृत वर्ष स्मरणार्थे आत्मिक योगदान वर्ष ”

मोक्षमार्ग धर्म परिवारना भाईओ तथा बहेनो, जय परमात्मा.

परमपूज्य गुरुमहाराजश्रीनी आज्ञानुसार शतामृत महोत्सव वर्षना बाकी रहेला सुकृत कार्यो करवा बाबत.

हमणां आभी हुनियामां कोरोना वायरसनी महामारी फेलायेल छे, तेने कारणे आपणे सर्व मुमुक्षुओ शतामृत वर्षमां (१७५मुं जन्म वर्ष) बाकीना सुकृत कर्मो - उत्सवो उज्वी शक्या नथी तेनुं मुख्य कारण भारत सरकारना कायदानुसार आपणे एकत्र थाई शक्ता नथी. आ कोरोना वायरसनी महामारी विश्वमांथी (हुनियामांथी) क्यारे विद्याय थशे अथवा अंत थशे तेनी कोईने पाणे खबर नथी कारणे के कुटरत (नियति) नी आगण हुनियामां कोईनुं कंई चालतुं नथी.

प्रभु सद्गुरुश्रीनी कृपाथी ज्यारे कोरोना वायरसनी महामारीनो फानी हुनियामांथी अंत थशे अथवा भारत सरकार ज्यारे धार्मिक उत्सवो उज्ववानी परवानगी आपणे त्यारे आपणे बाकी रहेला शतामृत महोत्सव वर्षना सुकृत करी शकीशुं. ते माटे प्रभु सद्गुरुश्रीने प्रार्थना करीऐके आगामी वर्षने “सद्गुरुश्री वल्लभराम जन्म जयंति शतामृत वर्ष स्मरणार्थे आत्मिक योगदान वर्ष ” तरीके उज्वी शकीऐ.

परम कृपाणु परमात्मा अने महाविभूतियो सद्गुरुश्री वल्लभराम अने सद्गुरुश्री रमेश्वरालनी असीम कृपाथी आपणे सहु आ वर्ष सद्गुरुश्री वल्लभरामनुं १७५मुं जन्म शतामृत महोत्सव वर्ष परिपूर्ण उज्वी शक्या नथी परंतु शतामृत वर्षमां नीचे मुज्जबनो कार्यक्रम करता दता;

(१) दैनिक नित्य कर्म (पोताना घरे).

(२) साप्ताहिक कार्यक्रम (गाम / शहरना ऐक स्थाने) सामुहिक रीते.

(३) मासिक कार्यक्रम (तालुका अथवा विस्तार मध्ये).

(४) नवी धून.

उपरोक्त कार्यक्रम आज्यथी बंध करी शतामृत वर्ष पहेलां (अगाउ) जे प्रमाणे नित्य नियम (रोजनो कार्यक्रम) करता दता ते मुज्जब नित्य नियम करवो.

(जूनी धून करवानी रहेशे).

वि.

वल्लभ मानवोद्धारक मंडळ तथा
जन्म शतामृत महोत्सव समितिना
जय परमात्मा